तिसिनिति॥१ भर्॥१ ॥१॥६॥७॥८॥९॥ = & = तिराज्यवर्षणिनैस्डकंठीयेमारतमाबद्गेषेत्रयोविशोऽध्यायः॥ २३॥ ॥ ॥ ॥ ॥

शस्यपव

क्रियदातयःपद्धिमुश्चिपस्यरं॥ निजघःसमरेश्चराःसीणश्रक्षास्ततोषतन् ॥ ८९॥ रथेभ्योर्थिनःपेत्रिविभयोहस्तिसादिनः॥ विमानेभ्योदिवोभ्जषाः ॥ एवम न्योत्यमायतायायायाज्ञमुमहाहवे ॥ पितृन्धातृन्वयस्यांश्वपुत्रानपितयापरे॥ ९१ ॥ एवमासीदमयाद्युद्भारतसत्तम ॥ महा:प्षयस्यादिन॥ | C & | C & | C & | C & | C & | C & | C & | C & | C & | C & | C & | C & | C & | C & | C & | C & | C & | C & | C & | C & | C & | C & | C & | C & | C & | C & | C & | C & | C & | C & | C & | C & | C & | C & | C & | C & | C & | C & | C & | C & | C & | C & | C & | C & | C & | C & | C & | C & | C & | C & | C & | C & | C & | C & | C & | C & | C & | C & | C & | C & | C & | C & | C & | C & | C & | C & | C & | C & | C & | C & | C & | C & | C & | C & | C & | C & | C & | C & | C & | C & | C & | C & | C & | C & | C & | C & | C & | C & | C & | C & | C & | C & | C & | C & | C & | C & | C & | C & | C & | C & | C & | C & | C & | C & | C & | C & | C & | C & | C & | C & | C & | C & | C & | C & | C & | C & | C & | C & | C & | C & | C & | C & | C & | C & | C & | C & | C & | C & | C & | C & | C & | C & | C & | C & | C & | C & | C & | C & | C & | C & | C & | C & | C & | C & | C & | C & | C & | C & | C & | C & | C & | C & | C & | C & | C & | C & | C & | C & | C & | C & | C & | C & | C & | C & | C & | C & | C & | C & | C & | C & | C & | C & | C & | C & | C & | C & | C & | C & | C & | C & | C & | C & | C & | C & | C & | C & | C & | C & | C & | C & | C & | C & | C & | C & | C & | C & | C & | C & | C & | C & | C & | C & | C & | C & | C & | C & | C & | C & | C & | C & | C & | C & | C & | C & | C & | C & | C & | C & | C & | C & | C & | C & | C & | C & | C & | C & | C & | C & | C & | C & | C & | C & | C & | C & | C & | C & | C & | C & | C & | C & | C & | C & | C & | C & | C & | C & | C & | C & | C & | C & | C & | C & | C & | C & | C & | C & | C & | C & | C & | C & | C & | C & | C & | C & | C & | C & | C & | C & | C & | C & | C & | C & | C & | C & | C & | C & | C & | C & | C & | C & | C & | C & | C & | C & | C & | C & | C & | C & | C & | C & | C & | C & | C & | C & | C & | C & | C & | C & | C & | C & | C & | C & | C & | C & | C & | C & | C & | C & | C & | C & | C & | C & | C & | C & | C & | C & | C & | C & | C & | C & | C & | C & | C & | C & | C & | C & | C & | C & | C & | C & | C & | C & | C & | C & | C & | C & | C & | C & | C & | C & | C &

300

नेसुदारुणे॥ ९२॥ इतिश्रीमहाभारतेशात्यपर्वणिसंकृत्युद्वत्रयोविशोऽध्यायः॥ २३॥ ॥ थ॥ ॥ थ॥ ॥ थ॥ तिस्मन्श्रव्स्महौजातेषांडवैतिहतेबले॥अर्थःसमश्तैःशिषेहपावन्तिसौबलः॥ १॥सयात्वावाहिनींतूर्णमत्रवीत्तरयन्युषि ॥ युद्धास्त्रिमे ॥२॥ अष्ट-छास्मित्रयांस्तत्रकनुराजामहाबलः॥शकुनेस्तद्दचःश्रुत्वातमूचुर्मरतर्षभ॥३॥असौतिष्ठतिकौरव्योर्णमध्येमहाबलः॥ तेसं त्थाः पुनः पुनरारदमाः जयउव व

हिनिष्यामःपद्।तीश्वेतर्गंस्तथा॥ ११॥ श्रुत्वातुवचनंतस्यतावकाजयगृद्धिनः॥जवेनाभ्यपतन्त्र्षाःपांडवानामनीकिनीं ॥ १२॥ सबैविटततूणीराःप्रगृही यै:शकुनि:सोबलस्तदा॥६॥ प्रययौतत्रयत्रासौपुत्रस्तवनरायिष्॥ सर्वतःसंदतोवीरै:समरेचित्रयोधिभि: ॥ ७॥ ततोद्धयोंधनं हस्रार्थानीकेव्यवस्थितं॥ सर्थांस्तावकान्सवन्हिष्यन्शुकुनिस्ततः॥८॥ दुर्याधनमिदंबाक्यंहृष्ह्पोविशांपते॥ रुतकार्यमिवात्मानंमत्यमानाबबीन्नुपं॥ ९॥ जहिराजन्रथानीकमभ्याःसवैजितामया॥ नात्यकाजीवितंसंख्येशक्योजेतुंयुधिष्ठरः ॥ १०॥ हतेतस्मिन्रथानीकेपांडवेनाभिपालिते॥ गजानेता मप्रभं॥ ४॥ यजतेसतनुचाणार्थास्मिधंतिदंशिताः॥ यञ्जषतुमुलःशब्दःपजंत्यतिनदोषमः॥ ५॥ तत्रगच्छह्रतंराजंसतोद्रस्य सेकौरवं॥ एवमुक्तुतियोध जित्सुमह्द्अत्रपूणचंद्रस्

तश्समाः॥श्समानिधुन्वानाःसिंहनादान्यणेदिरे॥ १३॥ततोज्यात्तलनिषांषःपुनरासीदिशांपते॥ प्राहुरासीन्छराणांचसुमुक्तानांसुदारुणः॥ १४॥ ान्समीपगतान्हस्राजवेनोद्यतकामुकान्॥ उवाचदेवकीपुत्रंकृतीपुत्रोधनंजयः ॥ १५॥ चोद्याश्वानसंभ्रांतःप्रविशेतद्वाणंवं॥ अंतमद्यगमिष्यामिश्त्र ष्टादश्रिदेनात्यदायुद्धस्यास्यजनाद्न॥वर्तमानस्यमहतःसमाद्यपरस्यरं॥१७॥अनंतकल्पाध्वजिनीभुलाखेषांमहासनां॥ यावियं॥ १८॥ समुद्रकत्यंचवतंथात्त्राष्ट्रस्यमाथव॥ अस्मानासाद्यसंजातंगोष्यदोषममच्युत॥ १९॥ हतेभीष्मेतुसंदध्याच्छि वंस्यादिहमायव॥ नचतत्छतवान्मूढोपात्तराष्ट्रःसुवालिशः॥ २०॥ ॥मिशिते:श्रेरः॥ १६॥ अप स्यमदागताय् द्वप्यदेवयः

Digitized by Google